

Sl. No. 470

C:SCM/09

C-DTN-J-BOB

ANTHROPOLOGY

Paper II

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any three of the remaining questions selecting at least one question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

Section 'A'

1. Write short notes on any *three* of the following in about 200 words each. Answers should be in an anthropological context : 20×3=60

- (a) New Archaeology
- (b) Nature-Man-Spirit complex
- (c) Sanskritization
- (d) Importance of the Siwaliks in Anthropology

2. (a) Discuss the salient features of the prevalent hypotheses on the future of the caste system in India. 30

- (b) Write a brief note on the contributions of Prof. L. P. Vidyarthi in the field of anthropology. 20

- (c) Examine the contribution of Mesolithic culture to the rise of Neolithic culture. 10

3. (a) Bring out the various features and the importance of the 'dominant caste' concept. 20

- (b) What are the various exogenous processes of socio-cultural changes in Indian Society ? 20

- (c) Write a brief note on the linguistic diversity among Indian tribes. 20

4. Describe the significant contributions of village studies in India to the understanding of social transformations. 60

खण्ड 'क'

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में होनी चाहिए। उत्तर नृवैज्ञानिक संदर्भ में होने चाहिए : 20×3=60
 - (क) नव पुरातत्वविज्ञान
 - (ख) प्रकृति-मानव-प्रेतात्मा संसृष्टि
 - (ग) संस्कृतीकरण
 - (घ) नृविज्ञान में शिवालिक का महत्व
2. (क) भारत में जाति प्रथा के भविष्य पर प्रचलित परिकल्पनाओं के प्रमुख लक्षणों पर चर्चा कीजिए। 30
 - (ख) नृविज्ञान के क्षेत्र में प्रोफेसर ऐल. पी. विद्यार्थी के योगदानों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 20
 - (ग) नवपाषाण संस्कृति के उत्थान में मध्यपाषाण संस्कृति के योगदान का परीक्षण कीजिए। 10
3. (क) 'प्रबल जाति' संकल्पना के विभिन्न अभिलक्षणों और महत्व पर प्रकाश डालिए। 20
 - (ख) भारतीय समाज में सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तनों के विभिन्न बहिर्जात प्रक्रम कौन-कौन से हैं ? 20
 - (ग) भारत की जनजातियों में भाषाई विविधता पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 20
4. भारत में सामाजिक रूपांतरणों को समझने में ग्राम अध्ययनों के महत्वपूर्ण योगदानों का वर्णन कीजिए। 60

Section 'B'

5. Write short notes on any *three* of the following in about 200 words each : 20×3=60
- (a) Indebtedness in Tribal Communities.
 - (b) Fifth Schedule of the Constitution.
 - (c) Tribal unrest in Central India.
 - (d) NGOs and tribal development.
6. Analyse the impact of Christianity on tribal communities with special reference to North-East India. 60
7. In what ways has anthropology contributed to the understanding of ethnic and political movements in India ? 60
8. Critically examine the evolution of Forest Policy in India since the British period. Discuss its impact on tribals of India. 60
-

खण्ड 'ख'

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए,
जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों : 20×3=60

(क) जनजातीय समुदायों में ऋणग्रस्तता

(ख) संविधान की पांचवीं अनुसूची

(ग) मध्य भारत में जनजातीय अशांति

(घ) गैर सरकारी संगठन और जनजातीय विकास

6. उत्तर-पूर्वी भारत का विशेष हवाला देते हुए, जनजातीय समुदायों पर ईसाई धर्म के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

60

7. भारत में संजातीय और राजनीतिक आंदोलनों की समझ प्राप्त करने में नृविज्ञान ने किस-किस प्रकार से योगदान दिया है ?

60

8. अंग्रेजों के ज़माने से भारत में वन नीति के विकास का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। भारत की जनजातियों पर उसके प्रभाव पर चर्चा कीजिए।

60

नृविज्ञान

प्रश्न-पत्र II

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं।

Note : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.